Cultural Pageant

सांस्कृतिक प्रस्तुति

सत्यमेव जयते

2001

प्रस्तावना

भारत आज गणतंत्र दिवस की 51वीं वर्षगांठ मना रहा है। गणतंत्र दिवस परेड की सांस्कृतिक प्रतुति जहां एक ओर भारतीय सभ्यता और संस्कृति के कुछ महत्वपूर्ण सोपानों की झांकी प्रस्तुत करती है वहीं दूसरी ओर इसमें हमें विकास तथा उन्नति की दिशा में देश की योजनाओं की भी झलक मिलती है।

रंगबिरंगी झांकियों में भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक तथा प्रौद्योगिकीय पहलुओं को सशक्त अभिव्यक्ति दी गई है। इन झांकियों में हमारे देश के मनोहर प्राकृतिक दृश्यों, वास्तुकला धरोहर, सामाजिक मूल्यों तथा भारत के ग्रामीण जीवन की सादगी तथा विशेषकर शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, संचार, विद्युत शक्ति, स्वास्थ्य सेवा आदि जैसे क्षेत्रों में देश की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का चित्रण है। इन झांकियों में दृढ़-निश्चय और देशभक्ति से ओतप्रोत हमारे देश की आत्मा का भावपूर्ण चित्रण किया गया है। ये झांकियां अपने स्वर्णिम अतीत पर हमारे गर्व का भी प्रतीक हैं। ये झलकियां हमारे वर्तमान का विजयोत्सव हैं और हमारे देशवासियों की अच्छे भविष्य संबंधी अभिलाषाओं की भी झलक प्रस्तुत करती हैं।

दिल्ली और देश के अन्य भागों से आए बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम न केवल भोले बचपन और जवानी की ताज़गी के साक्षी हैं वरन् यह भी दर्शाते हैं कि हमारे बच्चों को भावी नागरिक के रूप में अपने उत्तरदायित्वों का बोध है।

2

Introduction

Today India is celebrating the 51st anniversary of the Republic Day. The cultural pageant of the Republic Day Parade presents a glimpse of some significant sign posts of the Indian civilization and culture along with the nation's plans for development and progress.

Colourful tableaux present an impressive display of the social, cultural, economic and technological facets of India. These tableaux depict the captivating beauty of our landscape, architectural heritage, social values, the simplicity that marks rural India, in particular, along with the great strides that the country has made in the fields of education, science and technology, communication, power, healthcare etc. These tableaux also eloquently convey the spirit of our nation, suffused with determination and patriotism. These tableaux symbolise our pride in our glorious past. They celebrate our present. They also give a glimpse of the dreams of our people for a better tomorrow.

The items being presented by school children from Delhi and other parts of India not only bear the stamp of innocence of childhood and the freshness of youth, they also clearly show that our children are aware of their responsibilities as future citizens.

त्रिसूरपूरम उत्सव

'त्रिसूरपूरम' - नामक मंदिर का यह अत्यंत रंगबिरंगा उत्सव पूरे देश से भारी संख्या में भक्तों और दर्शकों को आकृष्ट करता है। यह उत्सव अप्रैल-मई के दौरान मनाया जाता है और इसमें आस-पास के मंदिरों से लाए गए हाथियों को सजा-धजाकर जुलूस के रूप में त्रिसूर के वडक्कुमनाथ मंदिर तक ले जाया जाता है।

इस झांकी में तालवाद्यों और सुषिर वाद्यों के वृहत् आकारों के द्वारा पंचवाद्यम का प्रत्यक्ष प्रदर्शन, सजे-धजे हाथी, रंग-बिरंगे छातों की अदला-बदली तथा वडक्कुमनाथ मंदिर की छोटी आकृति का चित्रण है।

केरल

Thrissurpooram Festival

"Thrissurpooram" - the most colourful temple festival of Kerala attracts a large number of devotees and spectators from all over the country. Celebrated in the months of April-May, the festival consists of processions of richly caparisoned elephants from various neighbouring temples to the Vadakkumnatha temple, Thrissur.

The tableau depicts the live perfomance of Panchavadyam in the festival through the mega size replicas of the five percussion and wind instruments, caparisoned elephants and changing of colourful umbrellas and a miniature form of the Vadakkumnatha temple.

Kerala

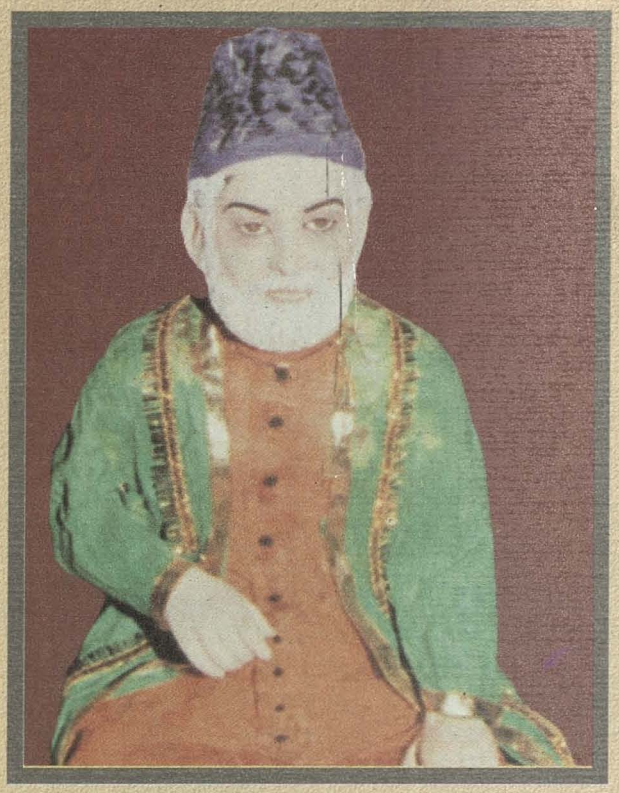

मिर्ज़ा ग़ालिब और दिल्ली का वह दौर

मिर्ज़ा ग़ालिब की यादगार पंक्तियाँ - 'हैं और भी दुनिया में सुखनवर बहुत अच्छे, कहते हैं ग़ालिब का है अंदाज-ए-बयां और', के उच्चारण के बीच दिल्ली की मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक उर्दू के इस महान शायर से संबंधित इस झांकी में ग़ालिब के समय की दिल्ली की कुछ झलकें दिखाई गई हैं जिसमें आम आदमी के दैनिक जीवन को समृद्ध करने वाली 'शायरी' का माहौल पैदा किया गया है।

दिल्ली

Mirza Ghalib And His Times

As the unforgettable lines of Mirza Ghalib – "HAIN AUR BHI DUNIYA MEIN SUKHANVAR BAHUT ACHCHHE, KAHTE HAIN GHALIB KA HAI ANDAZE BAYAN AUR" are being recited, the tableau on this great poet of Urdu who symbolised the composite culture of Delhi presents some scenes from Ghalib's Delhi that had an elegant ambience with "Shayari" (lyrical poetry) enriching the daily life of common people.

Delhi

आरोग्य

भारतीय चिकित्सा पद्धतियों में मुख्यत: आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, योग तथा प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियां शामिल हैं। इन पद्धतियों में मानव को शारीरिक तथा आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रखने तथा विभिन्न असंतुलनों की पहचान, रोकथाम, और उन्मूलन के लिए पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस्तेमाल किए गए विभिन्न मतों, लक्ष्यों तथा पहलुओं का सार है।

इन पद्धतियों को सरकार ने समुचित मान्यता प्रदान की है तथा इनकी स्वाभाविकता, अंतर्निहित उपलब्धता और बिना हानिकारक प्रभाव डाले कारगर होने के कारण इन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, यद्यपि होम्योपैथी की उत्पत्ति जर्मनी में हुई है फिर भी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में यह पद्धति बहुत लोकप्रिय हुई है।

इस झांकी में जड़ी-बूटियों और औषधीय पौधों के रूप में प्रकृति की सौगात तथा कुछ ऐसी स्वदेशी पद्धतियों का उपयोग दर्शाया गया है जो कि स्वास्थ्य पर समग्रता से विचार करती हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

Arogya

The Indian Systems of Medicine mainly comprise Ayurveda, Siddha, Unani, Yoga and Naturopathy. It represents a body of knowledge consisting of various ideas, objects and practices used from generation to generation for diagnosis, prevention and elimination of imbalances and for providing physical & spiritual well-being.

These systems have been given due official recognition and are being encouraged because of the simplicity, inherent affordability and effectiveness without side-effects. Alongwith them, Homeopathy, although originated in Germany, has become very popular, both in the rural and urban areas.

The tableau, true to its theme, depicts the gifts of nature in the form of herbs and medicinal plants and the use of some of the indigenous systems that look at health in a holistic way.

Ministry of Health and Family Welfare

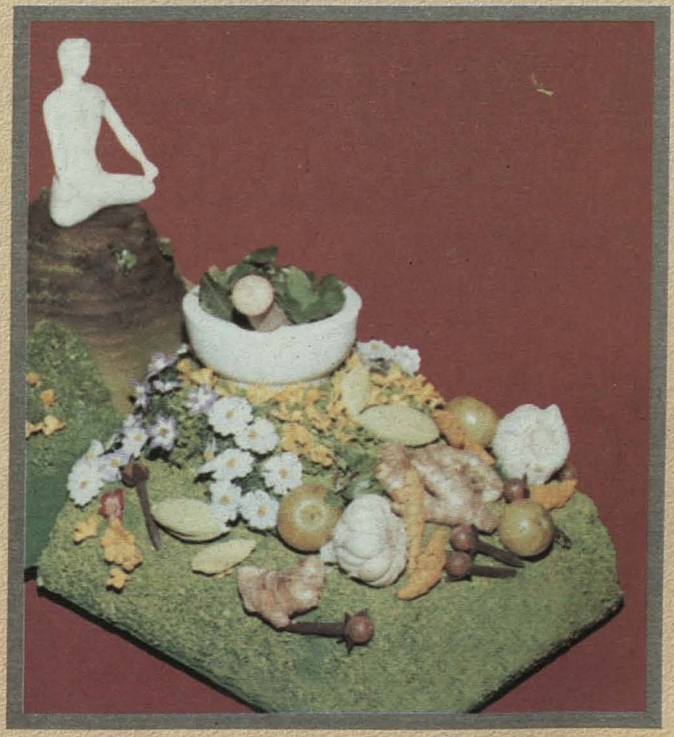

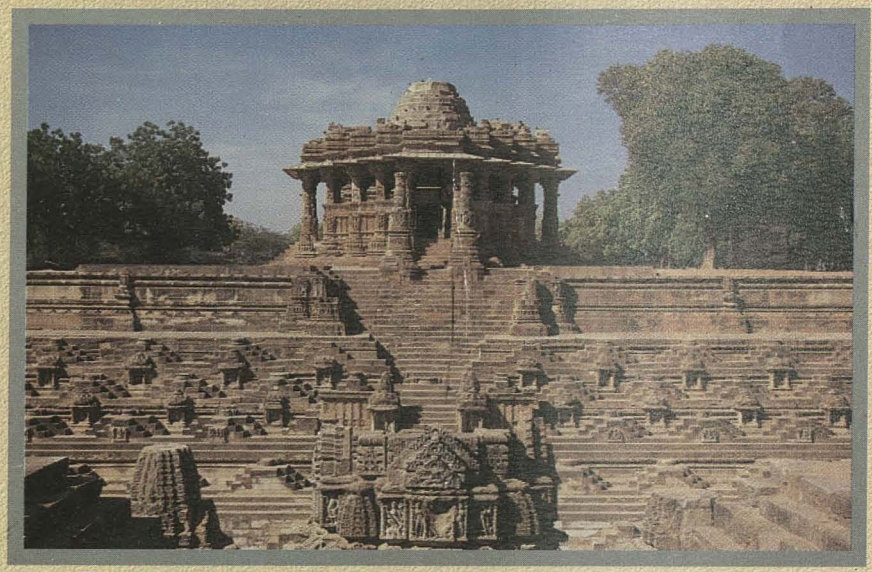

मोधेरा मंदिर में उत्तरार्ध उत्सव

उत्तरायण (जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है) के प्रथम सप्ताह के तीन दिनों के अंदर मोधेरा सूर्य मंदिर प्रांगण में प्रतिवर्ष उत्तरार्ध उत्सव मनाया जाता है। मोधेरा सूर्य मंदिर गुजरात के मेहसाना जिले में स्थित है। यह मंदिर विक्रमी संवत 1083 (1026–28 ई.) में निर्मित हुआ था।

उत्तरार्ध उत्सव के दौरान मंदिर परिसर में विभिन्न भारतीय शास्त्रीय नृत्यों का आयोजन किया जाता है। इस झांकी में मोधेरा मंदिर की शानदार मूर्तिकला तथा उत्सव के दौरान शास्त्रीय नृत्य का आनंद लेते हुए लोग दर्शाए गए हैं।

गुजरात

Uttarardh Festival At Modhera Temple

Uttarardh festival takes place every year in the premises of the Modhera Sun Temple within three days of the first week of Uttarayan (when the sun enters the zodiac sign of Capricorn). Modhera Sun Temple is in Mehsana district of Gujarat. The Temple was built in Vikram Samvat 1083 (1026-28 A.D.).

Different Indian classical dances are performed during the Uttarardh festival. The tableau brings out the magnificient sculpture of Modhera temple and shows people enjoying classical dancing during the festival.

Gujarat

साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी में बढ़ते चरण

कर्नाटक भारत का ऐसा अग्रणी राज्य है जिसने सूचना प्रौद्योगिकी में शानदार उन्नति दिखाई है। इस राज्य साफ्टवेयर के निर्यात से एक बिलियन अमरीकी डालर से अधिक की आय होती है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत हजारों विशेषज्ञों ने इस राज्य के आर्थिक विकास में बहुत सहयोग दिया है। अनुमान है कि अगले कुछ वर्षों के दौरान कर्नाटक राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दस लाख से अधिक व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

कर्नाटक

Strides in Software Technology

Karnataka is one of the leading states of India where information technology has shown an impressive growth. The software exports from this state earn more than US $ one billion a year. Thousands of professionals engaged in the IT sector have provided a big boost to the economic development of the state. It is estimated that the potential for employment in Karnataka in this sector within a few years will be over one million persons.

Karnataka

कांग्लेई हाराओबा उत्सव

मणिपुर में हर साल अप्रैल और मई महीने के दौरान पुरखों की पूजा का प्रतीक एक बड़ा धार्मिक उत्सव मनाया जाता है। जिसे लाई हाराओबा कहते हैं। इस झांकी में मौजूद कलाकार कांग्लेई हाराओबा उत्सव के अंतिम दिन का चित्रण कर रहा है, जिसमें दुष्ट आत्माओं को दूर रखने के लिए पूजा की जाती है और पूजा करने वालों को शांति और समृद्धि का आशीर्वाद देने वाले देवता को धन्यवाद दिया जाता है।

झांकी के अग्र भाग में सर्वव्यापी मैतेयी दिव्य शक्ति के प्रतीक **पाफान** को दर्शाया गया है।

मणिपुर

Kanglei Haraoba Festival

Lai Haraoba - a great religious festival highlighting the worship of ancestors is celebrated in Manipur during the months of April and May every year. The artistes on the tableau show the last day of Kanglei Haraoba Festival when worship is offered to ward off evil-spirits and thanks are offered to God for blessing the worshippers with peace and prosperity.

PAPHAN - a divine symbol of Cosmic Meitei Deity is shown in the front of the tableau.

Manipur

दार्जीलिंग हिमालयन रेलवे

दार्जीलिंग हिमालयन रेलवे पर्वतीय क्षेत्र के लिए यात्री रेल का शानदार नमूना है। दार्जीलिंग हिमालयन रेलवे में पर्वतीय श्रृंखलाओं के मध्य से रेल संपर्क स्थापित करने के लिए स्वदेशी इंजीनियरी तकनीकों का उपयोग किया गया है। यह रेलवे भारत की पहली तथा विश्व की दूसरी रेलवे है जिसे विश्व धरोहर के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

इस झांकी में दार्जीलिंग हिमालयन रेलवे की रेलगाड़ी को चित्ताकर्षक बेल-बूटों तथा चायबागान के बीच से यात्रा करते दिखाया गया है। पृष्ठभूमि में स्थित कंचनचंगा का उत्तुंग शिखर अपनी पूरी शान के साथ नज़र आता है।

रेल मंत्रालय

Darjeeling Himalayan Railway - World Heritage Site

Darjeeling Himalayan Railway (DHR) is an outstanding example of a passenger railway for the hilly areas. DHR has applied bold and indigenous engineering solutions to ensure an effective rail link across a mountainous terrain. It is the only railway site in India, and second in the world to be accorded the world Heritage site status.

The tableau depicts the DHR train in its enchanting hill-journey, moving through lovely ferns, creepers and tea plantations. The lofty peak of Kanchenjunga stands majestically in the background.

Ministry of Railways

सर्व शिक्षा अभियान

स्वाधीनता के बाद स्कूलों, अध्यापकों और स्कूल में भर्ती होने वाले बच्चों की संख्या में भारी वृद्धि के बावजूद अभी-भी बहुत से बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। हजारों बस्तियां ऐसी हैं जहां स्कूल नहीं हैं। इस समस्या के समाधान के उद्देश्य से प्राथमिक शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने एक मिशन के रूप में 14 वर्ष की आयु तक के सभी बच्चों को 8 वर्ष की उत्तम प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने के लिए 'सर्व शिक्षा अभियान' नामक वृहत् बुनियादी शिक्षा कार्यक्रम चलाया है।

इस झांकी में, इस कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं जैसे शिशु केंद्रित प्रणाली, शिक्षा में सामुदायिक सहभागिता, समग्र शिक्षण पद्धतियों, आधारभूत सुविधा की गुणवत्ता में सुधार और कंप्यूटर शिक्षा आदि को दर्शाया गया है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

Sarv Shiksha Abhiyan

Despite enormous progress in terms of increase in the number of schools, teachers and in enrolment since independence, a large number of children still do not attend schools. There are thousands of habitations without a school. In order to address this issue, a massive basic education programme called 'Sarv Shiksha Abhiyan' to provide 8 years of quality elementary education to all children up to 14 years of age has been launched by the Department of Elementary Education and Literacy.

The tableau depicts different aspects of the programme - child-centred system, community participation in education, wholesome teaching methods, improving the quality of infrastructure, computer education etc.

Ministry of Human Resource Development

12

मरू में स्वर लहरी की बहार

''सोनार किला'' के नाम से विख्यात जैसलमेर किला, अपनी उत्कृष्ट नक्काशी और अदभुत वास्तुकला के लिए राजस्थान के गौरवाशाली अतीत का प्रतीक है। इस झांकी में उस क्षेत्र की मंत्रमुग्ध कर देने वाले लोक – संगीत की मधुर धुन भी सुनाई दे रही है। अपनी परंपरागत वेशभुषाओं में सजे-धजे जैसलमेर और बाड़मेर के लांगा और मंगाल्यार लोक गायक, नर्तक और संगीतकार जैसलमेर किले के सौंदर्य में चार चांद लगा रहे हैं।

राजस्थान

Maru Mein Swar Lehri Ki Bahaar

(Strands of melody in the desert)

The famous Jaisalmer Fort also known as 'Sonar Kila' with its exquisite carving and wonderful architecture symbolises the glorious past of Rajasthan. It also provides a lovely back-drop for the soul-stirring folk music of the area. The Langa and Mangaalyar folk singers, dancers and musicians of Jaisalmer and Barmer in their traditional costumes add to the magic of the Jaisalmer Fort.

Rajasthan

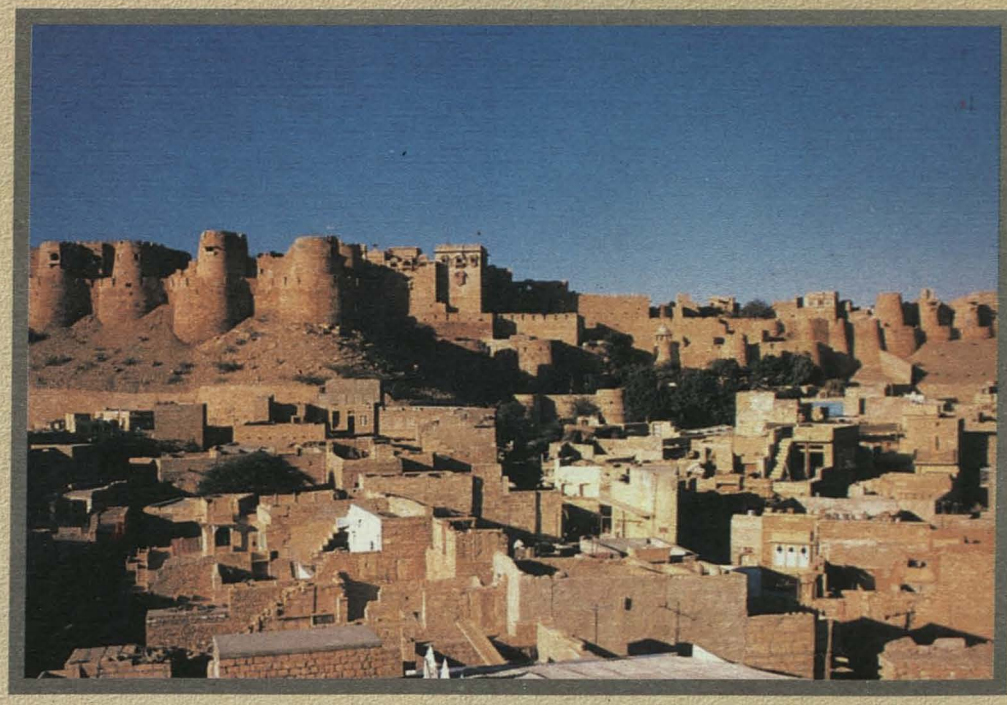

सुनहरा धागा

सोम (मेसिलस बॉम्बिसिना) तथा सोला (लिट्साला पोलियंथा) नामक स्थानीय पौधों पर पलने वाले 'एन्थेरिया असमीज' कीट द्वारा सुनहरा पीला मूगा सिल्क पैदा किया जाता है। यह सिल्क अपनी चमक और सौम्यता के लिए प्रसिद्ध है। इसका धागा अपनी मज़बूती और टिकाऊपन के कारण बुनकरों और कसीदाकारों में बहुत लोकप्रिय है।

इस झांकी में ''कीटों और पतंगों'' के चित्रण द्वारा सिल्क की कहानी दर्शाई गई है।

असम

Golden Thread

The caterpillar "Antheraea Assamese" that feeds on host plants like Som (Machilus bombycina) and Sola (Litsala Polyantha) produces the Golden Yellow Muga silk. This silk is known for its lustre and elegance. The fabric is a favourite of weavers and embroiderers because of its durability and strength.

The tableau tells "the silk story" through moths and the caterpillar.

Assam

मिथिलांचल की परंपराएं

बिहार का मिथिलांचल लोक कला व संस्कृति की अपनी समृद्ध विरासत के लिए प्रसिद्ध है। इस झांकी में सुप्रसिद्ध सिक्की कला व मिथिला चित्रकारी का चित्रण है जोकि इस अंचल के जनजीवन का अभिन्न अंग है। इस झांकी में "सौरथ सभा', जहाँ विवाह योग्य कन्याओं के पिता अपनी पुत्रियों के लिए उपयुक्त वर चुनते हैं, की एक झलक दिखाई गयी है। साथ ही 'समाचाकिवा' नामक उत्सव की भी एक झलक दिखाई गई है जब कार्तिक मास के अंतिम दिन मैथिली महिलाएँ अपने भाइयों के कल्याण के लिए मंगलगीत गाती हैं।

बिहार

Mithila Traditions

The Mithila region of Bihar is known for its rich heritage of folk art and culture. The tableau from Bihar showcases the famous Sikki art and Mithila paintings that form a part of the life of people of the region. The tableau also shows a traditional 'Saurath Sabha', where fathers of marriageable girls choose suitable grooms for their daughters. A scene from 'Samachakieva' when on the last day of the Kartik month, the Maithili women sing songs for the well-being of their brothers is also displayed.

Bihar

प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना

भारत सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों की उन्नति के लिए वर्ष 2000-2001 के दौरान **प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना** नामक एक नया कार्यक्रम शुरू किया है। इस के तहत ग्रामीण संपर्क मार्गों पर विशेष ध्यान दिया गया है जैसा कि झांकी के मध्य में सभी मौसमों में चलने वाली सड़क के रूप में दर्शाया गया है। इस योजना के कुछ अन्य कार्यक्रम - प्राथमिक स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्यप्रद पेयजल, आवास और पोषक आहार- हैं।

ग्रामीण विकास मंत्रालय

Pradhan Mantri Gramodaya Yojna

Government of India has taken up a new initiative for the upliftment of rural areas by way of launching the **Pradhan Mantri Gramodaya Yojna (PMGY)** during the year 2000-2001. Rural connectivity (rural roads) constitutes a significant part of the scheme, as depicted by the all weather road in the centre of the tableau. Other components of the programme are: primary health, primary education, safe drinking water, shelter and nutrition.

Ministry of Rural Development

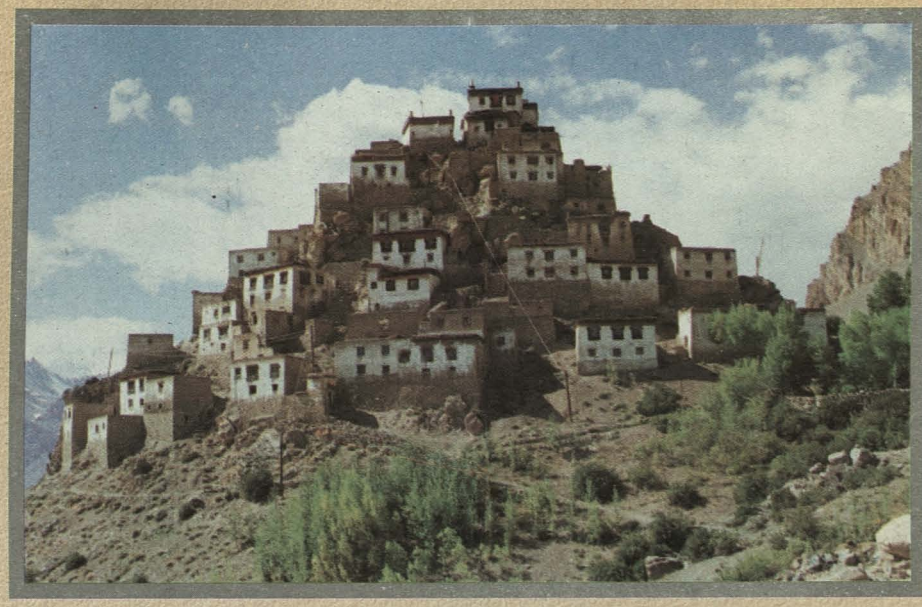

स्पीती घाटी का कीगोम्पा

मेलों और उत्सवों के दौरान परंपरागत सिंह नृत्य करते लोग स्पीति घाटी में 14000 फुट की ऊंचाई पर स्थित की गोम्पा की ओर बढ़ते हैं। इस गोम्पा का निर्माण 14वीं शताब्दी के दौरान किया गया था। दुनिया के सर्वाधिक ऊंचाई पर स्थित गांव के रूप में प्रसिद्ध किब्बर गांव की गोम्पा से 7 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। यह झांकी इस स्थान के शांत परिवेश की झलक दिखाती है।

हिमाचल प्रदेश

Kee Gompa of Spiti Valley

Dancing the traditional lion dance during fairs and festivals people head towards Kee Gompa situated at the height of 14000 feet in the valley of Spiti. This Gompa was built during the 14th century A.D. Kibber, known as the highest village of the world, is located at a distance of 7 Kms. from Kee Gompa. The tableau gives a glimpse of the serenity of the place.

Himachal Pradesh

संचार तंत्र

संचार के क्षेत्र में हुए विकास ने प्रगति के लिए एक उत्कृष्ट तंत्र प्रदान किया है। इस संचार तंत्र ने वैश्विक स्तर से आम आदमी को जोड़ दिया है। संचार मंत्रालय की यह झांकी सीमाओं को लांघते हुए और दूरियों को समेटते हुए उन ग्रामीण क्षेत्रों में इस संचार तंत्र के प्रसार की झलक प्रस्तुत करती है जहां संचार तंत्र की व्यापक पहुंच के लिए "संचार ढाबे" कार्य कर रहे हैं। साथ ही इस झांकी में नई प्रौद्योगिकी के विभिन्न उपयोगों को भी दिखाया गया है।

संचार मंत्रालय

Communication Network

The development of communications network has provided an excellent platform for progress. The communication spectrum today ranges from the grassroots level to the global. The tableau from the Ministry of Communication showcases the spread of this network from the rural areas where "Sanchar Dhabas" operate to the vast reach of this network cutting across boundaries and distances. Various uses of the new technology are also shown in the tableau.

Ministry of Communications

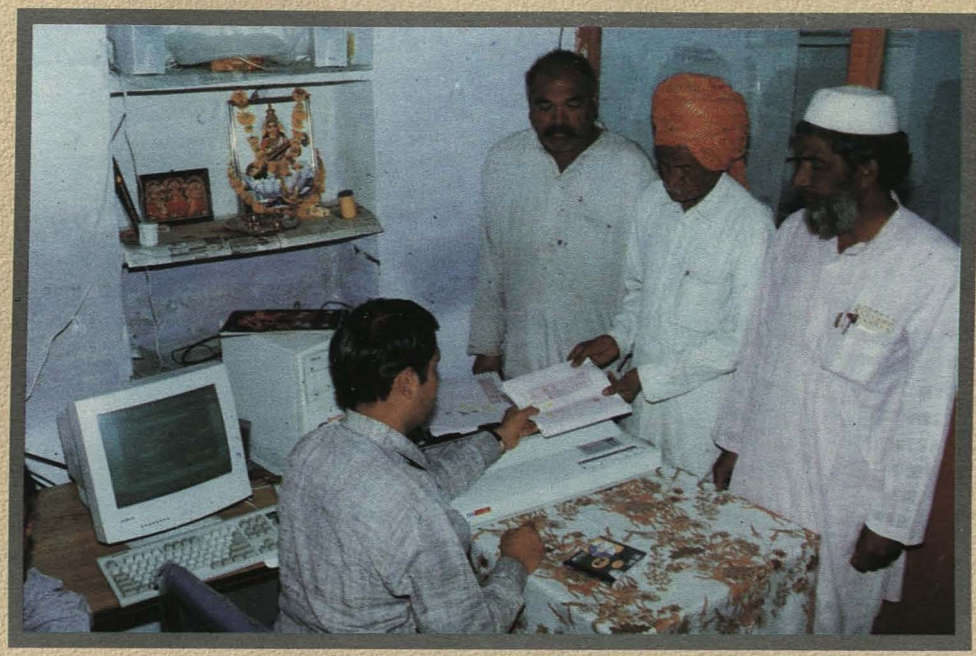

ज्ञानदूत

मध्य प्रदेश की इस झांकी में सूचना प्रौद्योगिकी की भावना और ग्रामीण क्षेत्रों में इसके इस्तेमाल को दर्शाया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा उपलब्ध व्यापक संपर्क सुविधा के कारण विकास का मार्ग आसान हुआ है और इससे आम आदमी अधिकारसंपन्न हुआ है। आत्मनिर्भरता और अधिकार संपन्नता का जश्न मनाने के लिए झांकी में कलाकारों द्वारा ''भागोरिया'' नृत्य किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश

Gyandoot

The tableau from Madhya Pradesh shows the spirit of information technology and its uses in the rural areas. The extensive linkages provided by IT facilitate development process and empowers the ordinary people. The traditional "Bhagoria" dance is being performed by artistes around the tableau to celebrate self-dependence and empowerment.

Madhya Pradesh

चिकनकारी

अपनी महीन शिल्पकारी के लिए प्रसिद्ध लखनऊ की अत्यंत शानदार चिकनकारी महिला दस्तकारों द्वारा ही की जाने वाली कशीदाकारी की कला-कौशल का नमूना है। इस कशीदाकारी में 35 किस्म के टांकों का इस्तेमाल किया जाता है। लाखों महिलाएँ दस्तकारी के इस कार्य में लगी हुई हैं। उत्तर प्रदेश की इस झांकी में दस्तकारी और रूमी दरवाज़ा दर्शाया गया है जो कि लखनऊ का एक प्रसिद्ध स्थल है।

उत्तर प्रदेश

Chikan Kari

The extremely popular Chikan embroidery of Lucknow known for its exquisite craftsmanship and elegance is a handicraft practised by women artisans. 35 types of stitches are used in this form of embroidery. Over 100 thousand women are engaged in this handicraft. The tableau from Uttar Pradesh shows this handicraft and Roomi Darwaja, a famous landmark of Lucknow.

Uttar Pradesh

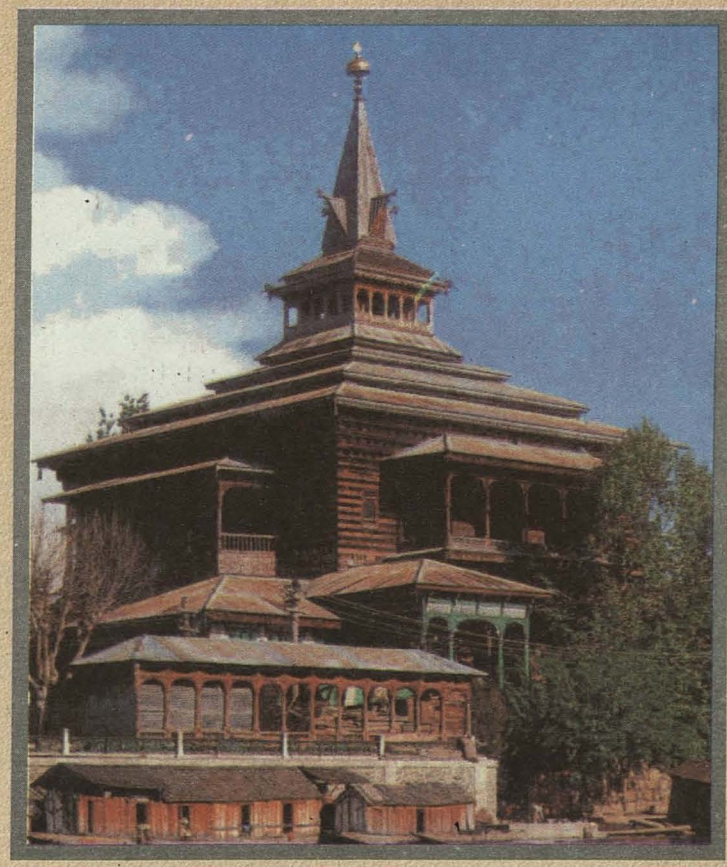

सूफी परंपरा

भारत ने विश्व को सदैव शांति, सद्भावना और भाईचारे का शाश्वत संदेश दिया है। सूफीवाद ने इस संदेश को आध्यात्मिक आयाम दिया है। वृहद् उदारता और सौहार्द का प्रतीक जम्मू-कश्मीर का 'सूफियाना कलाम' न केवल उस राज्य में वरन् अन्य स्थानों पर भी लोकप्रिय हुआ है। जम्मू-कश्मीर की इस झांकी के माध्यम से इस संदेश का सटीक चित्रण किया गया है तथा बौद्ध, हिंदू तथा मुस्लिम वास्तुकला के मिश्रित रूप की झलक बौद्ध मंदिर जैसी बेजोड़ संरचना के रूप में प्रस्तुत की गई है जहां सभी पंथों के मतावलंबी आकर पूजा-अर्चना करते हैं।

जम्मू-कश्मीर

Sufi Tradition

The eternal message of peace, harmony and brotherhood has always been given by India to the world. Sufism gave a spiritual dimension to this message. 'Sufiana Kalam' of Jammu and Kashmir whose hallmark is a great catholicity of attitude and tolerence has been popular not only in that State but elsewhere. The tableau of Jammu & Kashmir exhibits that spirit. It also displays a delightful amalgamation of Buddhist, Hindus and Islamic architecture in a unique Pagoda type structure where people from different faiths come and pray.

Jammu and Kashmir

साहसिक पर्यटन

विशिष्ट अभिरूचि पर्यटन वर्तमान की एक लोकप्रिय संकल्पना है। भारत उन पर्यटकों के लिए आदर्श पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है जो स्कीईंग, पर्वतारोहण, नौकायन अथवा हाथी और ऊंट की सफारी जैसे परंपरागत एवं नवीन साहसिक सैर-सपाटों में रूचि रखते हैं।

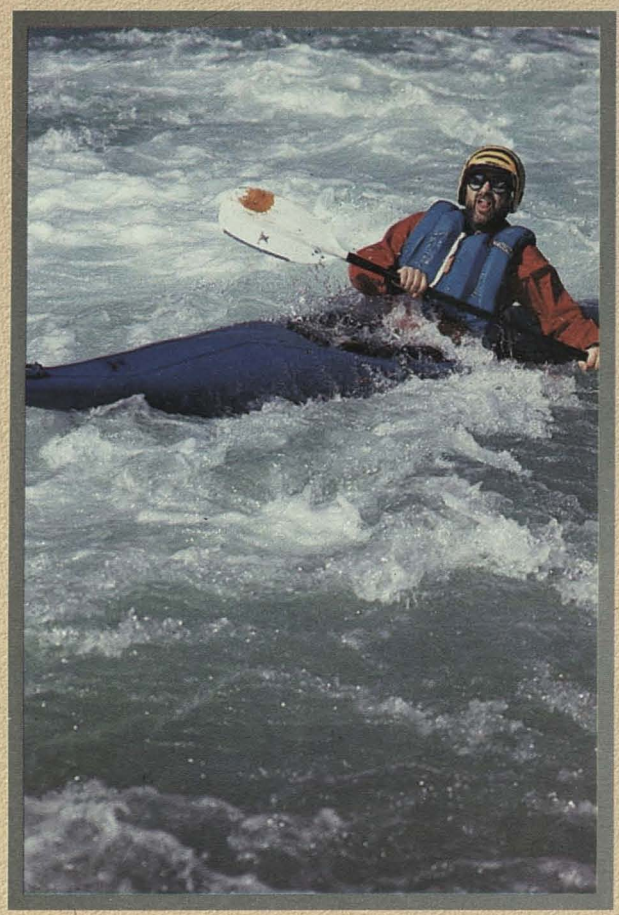

पर्यटन विभाग की यह झांकी हाथी की सफारी से शुरू होती है और इसमें भारत में साहसिक पर्यटन के कुछ रोचक पहलुओं को दर्शाया गया है। नौकायन तथा शिविर विहार अब घरेलू तथा विदेशी दोनों प्रकार के पर्यटन में लोकप्रिय है। पहले भाग में नौकायन तथा मछली पकड़ने का चित्रण है जबकि दूसरे में ऊँट की सफारी का चित्रण किया गया है। राजस्थान की मरुभूमि से आये ऊंटों के कारवाँ के साथ 'एकतारा' तथा अन्य संगीतकार सफारी की शान बढ़ा रहे हैं।

पर्यटन मंत्रालय

Adventure Tourism

Special Interest travel is now a popular concept. India is an ideal destination for those looking for traditional, as well as innovative adventure holidays, be it skiing, mountaineering, river rafting or elephant and camel-safaris.

Led by Elephant safaris, the tableau by the Department of Tourism depicts some of the interesting aspects of adventure tourism in India. The fore part depicts rafting and fishing, while camel safari makes up the rear of the Tableau. From the deserts of Rajasthan, the camels come in a caravan accompanied by "Ektara" and other musicians who add festivity to this safari.

Ministry of Tourism and Culture

22

जल संग्रहण

जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए आंध्र प्रदेश की इस झांकी में राज्य में चलाई जा रही जलागम विकास, मृदा संरक्षण, पुश्ता निर्माण, चारागाह विकास संबंधी कार्य योजना के कुछ मुख्य घटकों को दर्शाया गया है। इस कार्य योजना का लक्ष्य खासकर गरीबों के लिए जल की सतत् उपलब्धता बनाए रखना है।

आंध्र प्रदेश

Water Harvesting

Emphasising the need for conserving water, this tableau from Andhra Pradesh gives an indication of some major elements of an action-plan underway in the state like water-shed development, soil conservation, contour bunding, pasture development etc. The aim is to achieve sustainable water security, particularly for the poor.

Andhra Pradesh

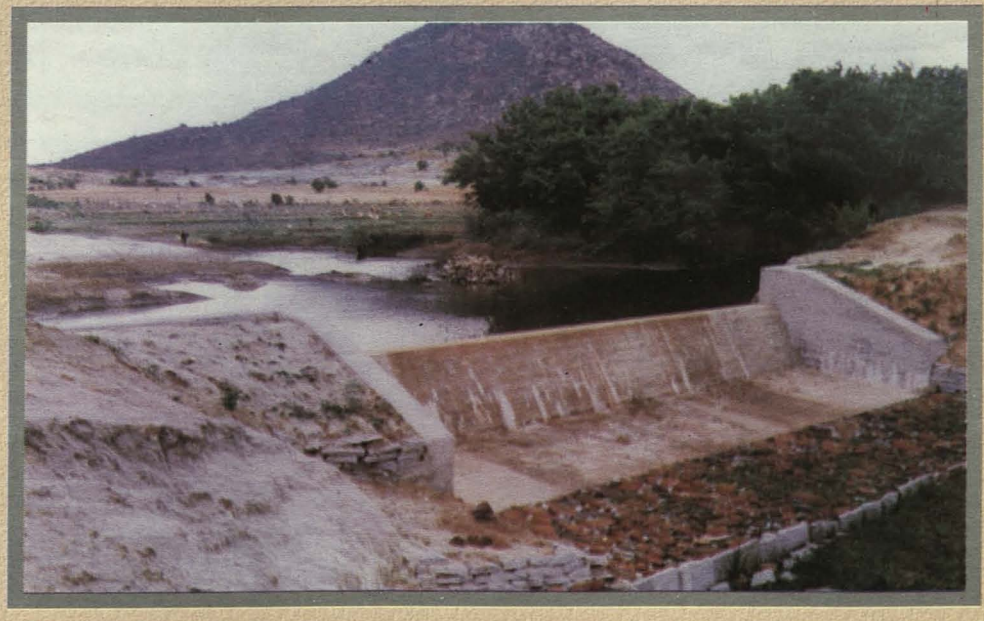

याक नृत्य

याक चाम अरुणाचल प्रदेश का एक अत्यंत लोकप्रिय मूक नृत्य है। ये नर्तक एक ऐसे परिवार को निरूपित करते हैं जिसके बारे में जनश्रुति है कि उसने एक जादुई पक्षी की सहायता से याक की खोज की थी। उस परिवार के कल्याण और समृद्धि में याक का अपना योगदान रहा है। अरुणाचल प्रदेश की यह झांकी इस नृत्य शैली के नैसर्गिक सौंदर्य की एक झलक प्रस्तुत करती है।

अरुणाचल प्रदेश

Yak Dance

Yak Cham is one of the most famous pantomime dances of Arunachal Pradesh. The masked dancers represent a family that is said to have discovered the Yak with the help of a magical bird. Yak has contributed to the well-being and prosperity of the family. The tableauu for Arunachal Pradesh displays the pristine beauty inherent in this dance-form.

Arunachal Pradesh

24

चीनी मिल सहकारी आंदोलन

महाराष्ट्र की इस झांकी में राज्य में सहकारी क्षेत्र की चीनी मिलों के प्रसार के फलस्वरूप उन्नति और विकास के कुछ पहलुओं का चित्रण किया गया है। महाराष्ट्र में लगभग 150 सहकारी चीनी मिलों ने न केवल राज्य को आर्थिक रूप से संपन्न बनाने में अपना योगदान दिया है अपितु ये इस क्षेत्र के लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने में भी मददगार सिद्ध हुई हैं।

महाराष्ट्र

The Cooperative Sugar Factories Movement

Some aspects of growth and development that have come about because of the spread of the cooperative sugar factories in Maharashtra are shown in this tableauu from the State. About 150 cooperative sugar factories in Maharashtra have not only contributed to the economic prosperity but have also improved the quality of life in the area.

Maharashtra

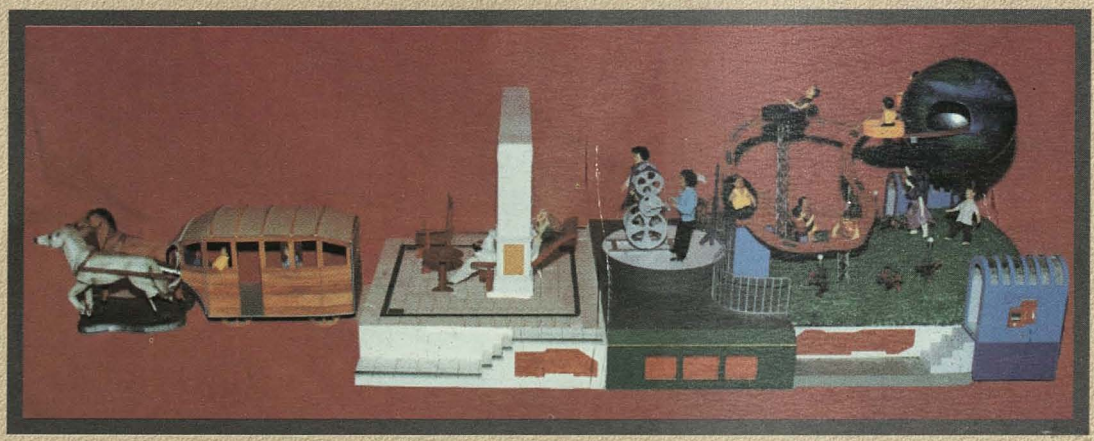

विद्युत शक्ति - बदलती भूमिकाएं

राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम की इस झांकी में विद्युत उत्पादन की दिशा में प्रगति तथा इसके उपयोगों का चित्रण है। झांकी के अग्रभाग में उन्नीसवीं शताब्दी तथा बीसवीं शताब्दी के आरम्भ में परिवहन के लिए पशुओं का उपयोग करते दर्शाया गया है। मध्य भाग में आराम के लिए हस्तचालित साधन तथा विद्युत उत्पादन के लिए हस्तचालित मशीनी टरबाइन को दर्शाया गया है। पश्च भाग में उन्नत विद्युत संयंत्र दर्शाए गए हैं। इस कायाकल्प में राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम की महती भूमिका रही है।

ऊर्जा मंत्रालय

The Changing Faces of Power

The tableau from the NTPC shows the progress-profile of power generation and its usage. The front portion shows animals being used for transportation in the nineteenth and the early twentieth century. The middle portion depicts the use of manual operations for comfort alongwith a hand operated mechanical turbine to generate electricity. The end portion depicts the State-Of-The-Art power plants. NTPC is playing a pivotal role in this transformation.

Ministry of Power

26

भारतीय आयुध निर्माणियां

हमारी आयुध निर्माणियों को रक्षा सेनाओं के लिए रक्षा उपकरण, हथियार तथा गोलाबारुद बनाने का महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व सौंपा गया है। भारतीय आयुध निर्माणियों ने धीरे-धीरे अपने उत्पादों को अत्याधुनिक तथा अत्यंत उन्नत बना लिया है। इन निर्माणियों में जल, थल, और नभ आधारित विभिन्न तरह के रक्षा उत्पाद तैयार किए जाते हैं।

भारतीय आयुध निर्माण संगठन की इस झांकी में आयुध निर्माणियों के उत्पादन क्रियाकलापों को दर्शाया गया है ।

रक्षा मंत्रालय

Glimpses from Ordnance Factories

Our ordnance factories are tasked with the responsibility of providing defence equipment, arms and ammunitions to our armed forces. The Indian ordnance factories have over the years grown to a level of sophistication and modernisation. A wide range of land, sea and air based defence products are manufactured in these factories.

The tableau from the Ordnance Factory Board presents some glimpses of the activities in the ordnance factories.

Ministry of Defence

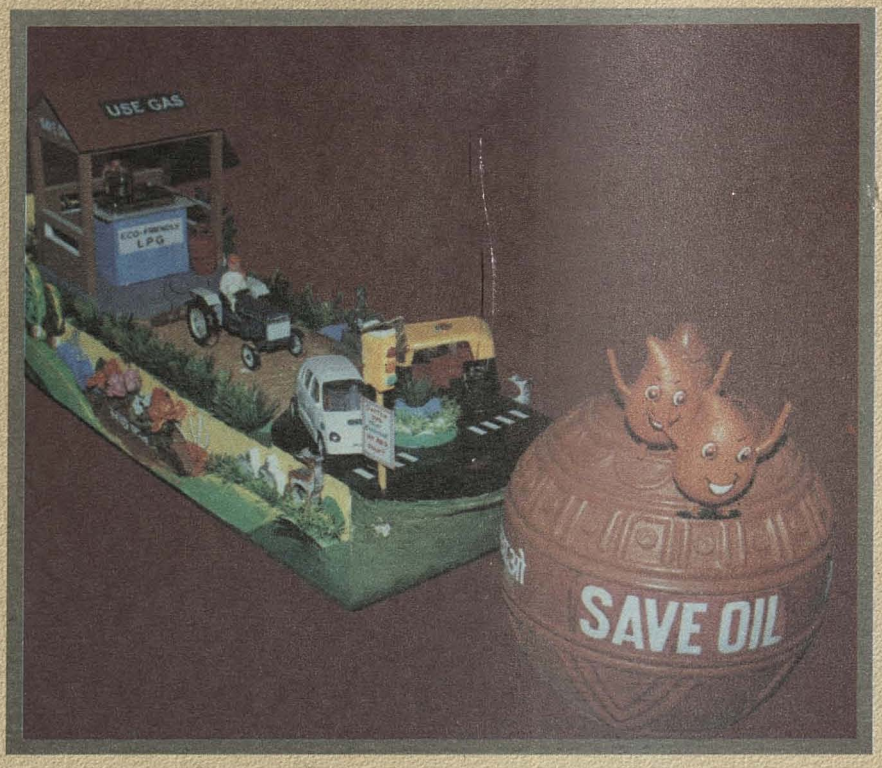

तेल बचाओ

पैट्रोलियम संरक्षा अनुसंधान एसोसिएशन (पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय) की इस झांकी में सभी प्रकार की खपत में तेल और गैस की बचत तथा पर्यावरण अनुकूल ईंधन में बढ़ोत्तरी की जरूरत का सामयिक संदेश दिया गया है। तेल की बचत को जन-आंदोलन का रूप देने के लिए सभी स्तरों पर उत्पादकों और उपयोगकर्त्ताओं को आपस में सहयोग करना होगा।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

Save Oil

This tableau from the Petroleum Conservation Research Association (Ministry of Petroleum and Natural Gas) gives the timely message on the need to conserve oil and gas in all areas of consumption and to increase the eco-friendly fuels. The producers and the users have to join hands at all levels to make it a people's mission.

Ministry of Petroleum and Natural Gas

वर्षा-गान

बरसात का मौसम आते ही गोवा मानो नया ही रूप धारण कर लेता है। गोवा से प्राप्त इस झांकी में गोवा की विशिष्टिता के प्रतीक इसके रंगों, नृत्यों तथा भाईचारे की भावना के चित्ताकर्षक घालमेल का चित्रण है।

गोवा

Singing In The Rains

Come rains and Goa undergoes a magical transformation. This tableau from Goa showcases the charming mosaic of colours, dance and harmony that Goa epitomises.

Goa

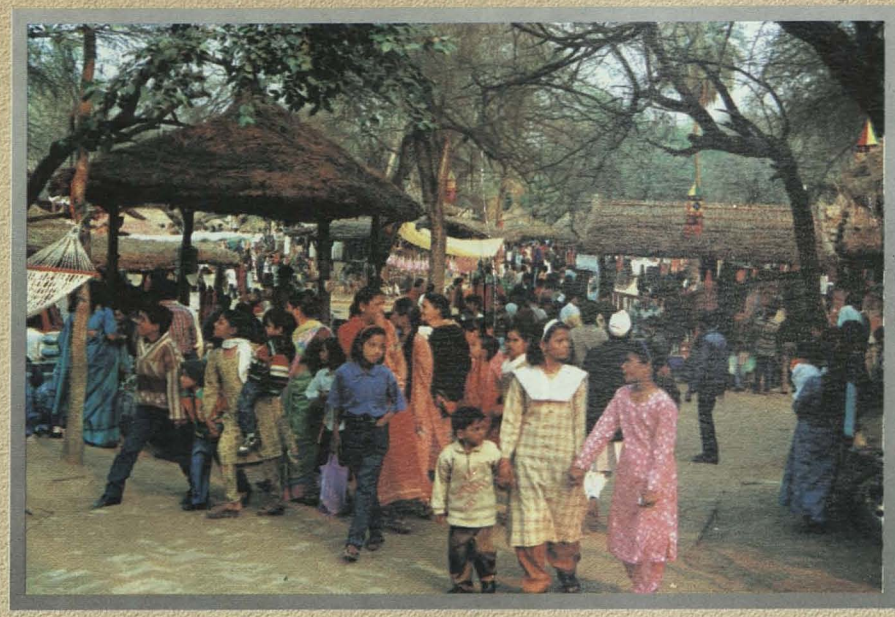

सूरजकुंड हस्तशिल्प मेला

सूरजकुंड हस्तशिल्प मेला पिछले प्राय: एक दशक से देश के विभिन्न हस्तशिल्पों को प्रोत्साहन देता आ रहा है। इस झांकी में मेले की चहल-पहल के दौरान ढोलों की थाप पर अपनी परंपरागत वेशभूषाओं में नृत्य करते 'चौपाया' नर्तकों को दिखाया गया हैं।

झांकी के आगे-आगे बजाए जा रहे इस क्षेत्र के लोकप्रिय वाद्य 'नगाड़े' की ध्वनि सूरजकुंड हस्तशिल्प मेले के समय खुशी और उत्साह के माहौल की प्रतीक है।

हरियाणा

Surajkund Crafts Mela

The Surajkund Crafts Mela has, over the last one decade, been promoting the handicrafts of the country. The tableau shows the goings-on in the Mela with *Chopaya* dancers in their traditional costumes dancing to the beats of the drums.

"Nagara", the famous drum from the region, leads the tableau, heralding as it were, the ambience of joy and enthusiasm that marks the Surajkund Crafts Mela.

Haryana

कपड़ा और फैशन

भारतीय कपड़ा व्यवसाय की समृद्ध तथा उत्कृष्ट शिल्पकारी प्राचीन काल से ही प्रसिद्ध है। हमारे दस्तकारों, डिजाइनकारों और निर्माताओं के नाम बहुत ही उपलब्धियाँ दर्ज हैं। आज भी हमारा कपड़ा उद्योग नई बुलंदियों की ओर अग्रसर है।

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान की इस झांकी में एक आधुनिक, स्वचालित तथा सूचना प्रौद्योगिकी संपन्न फैक्टरी प्रदर्शित है। कपड़ा और फैशन की इस कहानी की पृष्ठभूमि के रूप में रोचक तथा उपयुक्त ढंग से उत्पादन के उपकरणों को दर्शाया गया है।

कपड़ा मंत्रालय

Fabric and Fashion

The richness and the exquisite craftsmanship that have marked the Indian textiles are legendary. Our artisans, designers and manufacturers have recorded many achievements. Even today, our textiles sector is poised to achieve greater heights.

The tableau from the National Institute of Fashion Technology (NIFT) presents a modern, automated and IT friendly factory. Tools of production form an interesting and appropriate back-drop to the story of fabric and fashion.

Ministry of Textiles

नव-भारत

पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय (संस्कृति विभाग) द्वारा प्रस्तुत इस झांकी में हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा सभी के लिए समानता तथा स्वतंत्रता पर आधारित समाज के निर्माण के प्रति भारत के लोगों के प्रयासों और सपनों का चित्रण है। आधुनिक भारत गणतंत्र द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में की गई उन्नति का लेखा-जोखा अलग-अलग प्रतीकों द्वारा व्यक्त किया गया है। झांकी के अंत में प्रदर्शित इंद्रधनुष एक प्रगतिशील राष्ट्र की इच्छाओं, अपेक्षाओं तथा क्षमताओं का प्रतीक है।

पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय

Resurgent India

Ministry of Tourism & Culture (Department of Culture) presents a tableau that celebrates our rich cultural heritage and the efforts and aspirations of Indians towards building up a society based on equality and freedom for everyone. The march of progress of modern India in various fields, including the IT sector, by our Republic is depicted through different symbols. The rainbow at the end of the tableau symbolises the hopes, promises and potential of a nation on the move.

Ministry of Tourism and Culture

शांति-संदेश

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की फूलों से निर्मित इस प्रस्तुति से आचरण में महानता का भाव प्रदर्शित होता है और इससे शांति और सद्भाव का संदेश मिला है।

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग

Shanti Sandesh (Message for Peace)

The presentation from the Central Public Works Department, all in flowers, brings out the fragrance of nobility in conduct and gives the message of peace and harmony.

Central Public Works Department

बच्चों की प्रस्तुति

Children's Pageant

राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार, 2000 के विजेता बच्चे

नाम	राज्य
मास्टर सुनील सिंह *	जम्मू-कश्मीर
मास्टर मुकेश कुमार *	जम्मू-कश्मीर
कुमारी हिना बक्शी **	हरियाणा
मास्टर प्रिंस कुमार ***	बिहार
मास्टर आशीष कुमार	बिहार
मास्टर हनबोक्लांग नोंगसिएज ****	मेघालय
स्वर्गीय मास्टर लालनिलिआना (मरणोपरान्त)	मिजोरम
कुमारी पारुल मिश्रा	उत्तर प्रदेश
मास्टर ओबिराज सुब्बा	अरुणाचल प्रदेश
कुमारी विनीता	उत्तर प्रदेश
मास्टर पी. थिरुमलई	तमिलनाडू
कुमारी चन्दूबा सोधा	गुजरात
मास्टर विष्णु विलास पवित्रन	केरल
मास्टर लेशराम उत्तमकुमार सिंह	मणिपुर
कुमारी विद्या कुमारी यादव	छत्तीसगढ़
मास्टर अब्दुल माजिद	जम्मू कश्मीर
मास्टर लौकिक राजीव भटकर	महाराष्ट्र
मास्टर टेटर पर्टिन	अरुणाचल प्रदेश
मास्टर प्रिंस वी. डॉमिनिक	केरल
मास्टर रूबेन लमयाकि किन्ता	मेघालय
मास्टर कुम्भाराम मीणा	राजस्थान
मास्टर सत्यनारायण बैरागी	मध्य प्रदेश
स्वर्गीय मास्टर बिनोद नोग्रम (मरणोपरान्त)	मेघालय

* भरत पुरस्कार
** गीता चोपड़ा पुरस्कार
*** संजय चोपड़ा पुरस्कार
**** बापू गयाधानी पुरस्कार

Winners of National Award for Bravery – 2000

Name	State
Master Sunil Singh *	J & K
Master Mukesh Kumar *	J & K
Km. Henna Bakshi **	Haryana
Master Prince Kumar ***	Bihar
Master Ashish Kumar	Bihar
Master Hanboklang Nongsiej ****	Meghalaya
Late Master Lalniliana (Posthumous)	Mizoram
Km. Parul Mishra	Uttar Pradesh
Master Obiraj Subba	Arunachal Pradesh
Km. Vinita	Uttar Pradesh
Master P. Thirumalai	Tamil Nadu
Km. Chanduba Sodha	Gujarat
Master Vishnu Vilas Pavithran	Kerala
Master Laishram Uttamkumar Singh	Manipur
Km. Vidya Kumari Yadav	Chattisgarh
Master Abdul Majid	J & K
Master Laukik Rajeev Bhatkar	Maharashtra
Master Tator Pertin	Arunachal Pradesh
Master Prince V. Dominic	Kerala
Master Reuben Lamiaki Kynta	Meghalaya
Master Kumbharam Meena	Rajasthan
Master Satyanarayan Bairagi	Madhya Pradesh
Late Master Binod Nongrum(Posthumous)	Meghalaya

* Bharat Award
** Geeta Chopra Award
*** Sanjay Chopra Award
**** Bapu Gayadhani Award

स्कूली बालिकाओं का बैंड

स्कूली बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का नेतृत्व सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों की बालिकाओं का बैंड कर रहा है। बैंड (बालिकाओं) में भाग लेने वाले विद्यालय हैं : श्री गुरू तेग बहादुर स्कूल, शीश गंज; गुरू नानक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सब्जी मंडी। यह बैंड श्री चांद किशोर (बैंड मास्टर) द्वारा रचित धुन 'कारगिल के वीर' बजा रहा है।

नेतृत्व-बालिकाएं

बालिकाओं के मार्चपास्ट में भाग लेने वाले विद्यालय हैं : राजकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय 'ए' ब्लॉक जनकपुरी-2; राजकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय नं. 1, सेंक्टर -4, डॉ. अम्बेडकर नगर; एस के वी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय समालखा; एस.के.वी. विद्यालय, दरियापुर; राजकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय, कर्मपुरा; राजकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय, महिपालपुर; एस.के.बी. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 'डी' ब्लॉक, जनकपुरी; राजकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय, सुभाष नगर; विक्टोरिया उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय, राजपुर रोड।

नेतृत्व-बालक

बालकों के मार्च पास्ट में भाग लेने वाले विद्यालय हैं : सर्वोदय बाल विद्यालय, मजनू का टीला; सर्वोदय बाल विद्यालय, रमेश नगर; राजकीय उच्चतर मध्यमिक बाल विद्यालय, राजौरी गार्डन मेन; राजकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ए-ब्लाक, जनकपुरी; राजकीय बाल उच्चतर माध्यमिक बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विकास पुरी (डिस्ट्रिक्ट सेंटर); कमर्शियल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दरिया गंज; जैन संस्कृति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कूचा सेठ; सलवान उच्चतर माध्यमिक बाल विद्यालय, राजेन्द्र नगर; जी. आर. मेमोरियल स्कूल, निलोठी रोड, नांगलोई;

स्कूली बालकों का बैंड

बैंड (बालक) में भाग लेने वाले विद्यालय हैं : जैन समनोपासन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सदर बाजार; एस.एम. जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कमला नगर; महाराजा अग्रसेन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अशोक विहार; विवेकानन्द पब्लिक स्कूल, आनन्द विहार; बाल मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कैलाश नगर। यह बैंड 'जनरल ट्रेपी' धुन बजा रहा है।

सच्ची ताकत

भारत ने विश्व को सदा शांति और भाईचारे का संदेश दिया है। केवल शांति का अनुकरण तथा व्यवहार ही चारों ओर प्रेम और सौहार्द्र का प्रकाश फैला सकता है। बाल मंदिर पब्लिक स्कूल, डिफेंस, एन्कलेव, नई दिल्ली के विद्यार्थी भारत का यह शास्वत संदेश प्रस्तुत कर रहे हैं।

Band By School Girls

The cultural pageant of school children is heralded by a band of girls drawn from Government aided Schools : Shri Guru Teg Bahadur School, Sis Ganj; Guru Nanak Senior Secondary School, Subzi Mandi. The band is playing the tune 'Kargil-Ke Veer' composed by Shri Chand Kishore (Band Master).

Flag Bearers - Girls

Children participating in the march Past of girls are drawn from Government Girls Senior Secondary School, A-Block, Janakpuri, No.II; Government Girls Senior Secondary School, Sector IV, Dr. Ambedkar Nagar; SKV Senior Secondary School, Smalka; SKV Vidyalaya, Dariyapur; Government Girls Senior Secondary School, Karampura; Government Girls Senior Secondary School, Mahipalpur; S.K.V. Senior Secondary School, D-Block, Janakpuri; Government Girls Senior Secondary School, Subhash Nagar; Victoria Girls Senior Secondary School, Rajpur Road.

Flag Bearers - Boys

Children Participating in the march Past of boys are drawn from Sarvodaya Bal Vidyalaya, Majnu Ka Tilla; Sarvodaya Bal Vidyalaya, Ramesh Nagar; Government Boys Senior Secondary School, Rajouri Garden (Main); Government Boys Senior Secondary School, A-Block, Janakpuri; Government Boys Senior Secondary School, Vikas Puri, Distt. Centre; Commercial Senior Secondary School, Darya Ganj; Jain Sanskriti Senior Secondary School, Kutch Seth; Salwan Boys Senior Secondary School, Rajinder Nagar; G.R. Memorial School, Nilothi Road, Nangloi.

Band By School Boys

The band of boys is drawn from the Jain Samnopasan Senior Secondary School, Sadar Bazar; S.M. Jain Senior Secondary School, Kamla Nagar; Maharaja Agarsen Senior Secondary School, Ashok Vihar; Vivekanand Public School, Anand Vihar; Bal Mandir Senior Secondary School, Kailash Nagar. The band is playing the tune 'General Trepi'.

The True Strength

India has always given the message of peace and brotherhood to the world. It is the pursuit and practice of peace which can spread love and harmony everywhere. This eternal message from India is being presented by the Students of *Bal Mandir* Public School, Defence Enclave, New Delhi.

युवकोचित उल्लास

डी ए वी पब्लिक स्कूल, रोहिणी के छात्र युवकोचित ऊर्जा का प्रदर्शन करते दिखाई दे रहे हैं। विभिन्न नृत्य शैलियों, योग, खेलकूद, संगीत तथा व्यायाम के प्रदर्शन के द्वारा वे सुरुचि, अनुशासन, ओज, स्वर-माधुर्य और तंदुरुस्ती की भावना को प्रकट करने वाले पांच सूत्रों को प्रस्तुत कर रहे हैं। उनकी प्रसन्नता का प्रतीक युवकोचित जोशोख़रोश दर्शाते उनके फुर्तीले कदम तथा उत्तेजक संगीत उनके इस प्रदर्शन की विशेषताएं हैं।

थॉग - टा

मणिपुरी में थाँग-टा का अर्थ तलवार और भाला है। तलवारबाजी में मैतेइयों की दक्षता, उनके पंखनुमा विषैले वाणों से भरे तरकश और तेज टट्टू शत्रुओं के बीच भय का कारण रहे हैं। थाँग-टा मणिपुर में केवल एक नृत्य-शैली ही नहीं है वरन् यह प्राय: एक धार्मिक बन अनुष्ठान बन चुका है।

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, इम्फाल द्वारा प्रशिक्षित ये स्कूली बच्चे इस सजीव नृत्य-शैली की झलक प्रस्तुत कर रहे हैं।

छत्तीसगढी लोकनृत्य

मध्य भारत में स्थित नवगठित छत्तीसगढ़ राज्य अपने सीधे-सादे लोगों, घने जंगलों तथा समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों के लिए प्रसिद्ध हैं। इस क्षेत्र के लोकनृत्य ताल और लय से परिपूर्ण होते हैं। इस नृत्य में महिलाएं अपने देवताओं की अभ्यर्थना में नृत्य प्रस्तुत करते हुए आजीविका कमाने के लिए घर से दूर गए हुए अपने पतियों की तंदुरुस्ती तथा उनकी वापसी की प्रार्थना करती हैं। वे अपने पतियों की वापसी की कामना करती हैं और नृत्य के माध्यम से इस कामना को व्यक्त करते हुए अपने देवताओं की स्तुति करती हैं।

भारत की शान

नई दिल्ली के साकेत स्थित न्यू ग्रीन फील्ड स्कूल के बालक और बालिकाएं अपने प्रदर्शन के माध्यम से हिमालय की उत्तुंग श्रृंखलाओं से लेकर अथाह सागरों तक और सुनहरे रेगिस्तानों से लेकर हरे-भरे लहलहाते खेतों तक प्राकृतिक प्रचुरता समेटे हमारे देश की समृद्धि और वैविध्य की झलक प्रस्तुत कर रहे हैं। भांति-भांति के नृत्यों, तरह-तरह के संगीत और विभिन्न धर्मों की झलक को समाहित करती यह झांकी इस देश की माटी में विद्यमान अनेकता में एकता की भावना को अभिव्यक्त करती है।

उत्तरांचल का छोलिया नृत्य

छोलिया उत्तरांचल की एक महत्वपूर्ण युद्धकला और नृत्यशैली है। इस नृत्य में तलवार तथा ढाल का उपयोग होता है। इस परंपरागत नृत्य का आयोजन योद्धाओं की युद्ध से वापसी पर शत्रु पर विजय का उत्सव मनाने के लिए होता था। आजकल इस नृत्य का आयोजन विभिन्न उत्सवों के दौरान किया जाता है।

लाल ध्वज लेकर आगे-आगे चलने वाले ध्वज वाहक राजा और सेनापति के साथ सेना के रणभूमि की ओर अग्रसर होने के प्रतीक

The Exuberance of Youth

The students of DAV Public School, Rohini, give an expression to youthful energy. Through different dance forms, yoga, sports, music and exercise, they present five strands representing elegance, discipline, vigour, melody and a sense of well-being. Energetic movements showing their youthful spirit and charged music symbolising their happiness are the hallmarks of their performance.

Thang-Ta

Thang-Ta in Manipuri means Sword and Spear. The proficiency of the Meities in Swordsmanship, their quivers of feathered poison-darts and their swift ponies injected fear among the enemy lines. The Thang-Ta is not merely a dance-form in Manipur but has become almost a ritual exercise.

School children, trained by the North East Zonal Cultural Centre, Imphal give a glimpse of this vibrant dance form.

Chattisgarhi Folk Dance

Chattisgarh, a newly constituted State in central India, is known for its gentle people, thick forests and rich natural resources. The folk dances of the area are full of rhythm and melody. In this presentation, women offer dance as an offering to their gods and pray for the well-being and safe return of their husbands who have gone away from home to earn their livelihood The women want their men back. Through dance, they convey this and offer prayers to their gods.

The Splendours of India

The boys and girls from New Green Field School, Saket, New Delhi, through their performance bring out the richness and diversity of our country ranging from the lofty Himalayas to the deep seas, from the golden deserts to the green fields. Different dances, different music, different religions - all convey a sense of unity pervading amid diversity.

Chholia Dance

Chholia is an important martial art and dance-form from Uttranchal, performed by the use of swords and shields deftly. This traditional dance used to be performed to celebrate victory over an enemy when the warriors returned from wars. Now-a-days, this is performed during festive occasions.

The red flag holders moving in front indicate the advance of the army for the battle field along with

हैं। सेना तलवार और ढाल लेकर आगे बढ़ती है। विभिन्न वाद्ययंत्रों सहित संगीतकार सेना के साथ चलते हैं और इस दल के पीछे सफेद ध्वज वाहक चलते हैं।

इस नृत्य में आक्रामक व्यूह संरचना से इस नृत्यकला की युद्धक प्रकृति तथा इसकी तकनीकों का पता चलता है। यह नृत्य विजयोल्लास का भी प्रतीक है। छोलिया नृत्य की वेशभूषा रंगबिरंगी होती है तथा इसमें कुर्ता (झगुला), चूड़ीदार पायजामा, वास्कट, पगड़ी, कड़ा तथा क्रॉसबैल्ट पहनी जाती है।

कोली नृत्य

केंद्रीय विद्यालय, पीतमपुरा, दिल्ली द्वारा महाराष्ट्र का कोली नृत्य प्रस्तुत किया जा रहा है। मछुआरे और मछुआरिनें खूब खुश हैं क्योंकि आज उन्हें काफी मछलियां मिली हैं। वे अपने देवता-खंड देव-के दर्शन करके उनके प्रति कृतज्ञता तथा प्रसन्नता व्यक्त करना चाहते हैं। नृत्य के साथ उनका गीत है - "ओ नाविक नाव खेता चल, यात्रियों को ढोता चल"। इस नृत्य में महाराष्ट्र के समुद्र तटीय क्षेत्रों की झलक दिखाई देती हैं।

रचनात्मकता का स्वर

राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दिल्ली कैंट की छात्राएँ रचनात्मकता और दृढ़ निश्चय का भाव लिए गीत प्रस्तुत कर रही हैं। वे सशक्त और संगठित भारत के निर्माण में सहयोग की इच्छा व्यक्त कर रही हैं। अपने प्रेम,दया और ज्ञान का उपयोग करके वे अपने जीवन को ख़ुशनुमा बनाते हुए पूरी दुनिया में खुशी बांटना चाहती हैं। अपने गीत के समापन पर वे एक स्वर में बार-बार यह उद्घोष करती हैं कि वे अपने मिशन में कामयाब होंगी।

कलरियप्पायत

कलरियप्पायत केरल की एक प्राचीन युद्धकला है जो प्राचीन भारतीय युद्ध विज्ञान (धनुर्वेद) और चिकित्सा विज्ञान (आयुर्वेद) से सीधे संबंधित है और युद्ध-कला और ध्यान में समन्वय स्थापित करती है। कलरियप्पायत में मुख्यत: शारीरिक प्रशिक्षण, ध्यान मुद्राएं और विशिष्ट उपचार शामिल हैं। कहा जाता है कि भगवान शिव के अवतार परशुराम केरल के सृजनकर्त्ता और कलरियप्पायत नामक इस युद्ध-कला के जन्मदाता हैं।

दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, त्रिसूर के स्कूली बच्चे शारीरिक व्यायाम के प्रयोग द्वारा हैरतअंगेज़ शारीरिक करतब दिखा रहे हैं।

बधाई नृत्य

बधाई बुंदेलखंड क्षेत्र का एक प्रसिद्ध और परंपरागत लोकनृत्य है इस नृत्य को लोग खुशी के अवसरों पर करते हैं और अपनी कामनाएं पूर्ण हो जाने पर देवी शीतला माता का आभार व्यक्त करने के लिए भी यह नृत्य किया जाता है। मध्य प्रदेश के नर्तकों द्वारा प्रस्तुत इस रंगारंग और उल्लासपूर्ण नृत्य का आयोजन दक्षिण मध्य क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र नागपुर द्वारा किया गया है।

the King and the Commander. The army moves holding swords and shields. Musicians playing different instruments accompany the army. At the end of the group are white flag holders.

The attack formation in the dance displays the martial character of the art and its technique. The dance also expresses the joy of victorious celebration.

The costume of Chholia is colourful and includes long kurta (Jhagula), churidar pyjama, waistcoat, turban, anklets and cross-belts.

Koli Dance

The presentation from Kendriya Vidyalaya, Pitampura, Delhi, shows Koli dance from Maharashtra. The fishermen and women are happy after getting good catches. They are keen to have *'darshan'* of their deity - *Khand Dev* - and to express their gratitude as well as their joy. While dancing, they say, "O boatman, let the boat go forward, let the passengers proceed ahead". The dance depicts life in coastal Maharashtra.

Positive Pursuits

School children of Government Girls Senior Secondary School, Delhi Cantt sing a song of positivity and determination. They wish to contribute to building up a strong and united India. They wish to celebrate life and bring happiness all over the world with their love, compassion and knowledge. They conclude by singing in union, again and again, that they will succeed in their mission.

Kalariappayatt

Kalariappayatt, an ancient martial art of Kerala is linked to the ancient Indian science of war (Dhanur Veda) and medicine (Ayurveda) and establishes a close interaction between martial art and meditation. The main elements of Kalariappayatt include physical training, armed/unarmed combat, breathing exercise, forms of meditation and specified treatment. The legend is that Parasurama an avatar of Lord Shiva is the creator of Kerala and the originator of this art form, Kalariappayatt. Students from South Zone Cultural Centre, Thrissur, perform dazzling physical feats and vigorous display of swords and shields.

Badhai Dance

Badhai is a famous and traditional folk dance of *Bundelkhand* region. People through this dance celebrate their festive occasions and also offer grateful thanks to the deity *Sheetla Mata* when their prayers have been fulfilled. This colourful and joyous presentation is being made by participants from Madhya Pradesh under the aegis of South Central Zone Cultural Centre, Nagpur.

Veerendra Printers, New Delhi.